

पटना

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मोदी के चर्चा चाहू और सखिया एल्बम का किया लोकार्पण

जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए 400 पार जरूरी : समाचार

- बोर्ड-पीएम गोदी के 10 सालों के कारों का गीत में पिंडीया गया है।

पटना, प्रातः किरण संवाददाता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के उम्मेदवारी स्प्राइट चौधरी आज ही मोदी जी के चर्चा चाहू और सखिया एल्बम का संटोष में अवश्यक इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, श्री चौधरी ने कहा कि इस एल्बम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 सालों के कारों को गीत में पिंडीया गया है। उन्होंने कहा कि इसी पार में वह भी बताया गया है कि इस बार 400 पार करना बच्चों जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिंडीयों 10 सालों से सरकार को 400 सालों का समर्थन मिलता रहा है, लेकिन इस बार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के



लिए एनडीए को 400 पार करना है। इस कार्यक्रम में कलासंस्कृत प्रक्रोक्षण के संयोग वरुण सिंह, प्रभारी कवलांजीत सिंह, पूर्व विधायक उमा विद्यार्थी, मीडिया सेवेजक दानिश इकबाल, सह प्रभारी सूरज पांडेय, अमित प्रकाश बबल उपरिथंत रहे। भाजपा अध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगीण भारत, विकसित भारत, श्रेष्ठ भारत का सफना देख रहे हैं। उन्होंने विश्वगंगा क्षेत्र करते हुए गीत की वह गीत भी उम्मेद अपना योगदान देगा। कला संस्कृत प्रक्रोक्षण के संयोजक श्री सिंह ने बताया कि विनय विहारी एवं वरुण कुमार सिंह द्वारा रिचर्च रानी सिंह एवं अमर अनंद द्वारा गए गाए इसी गीत के म्यूजिक डायरेक्टर

विकसित भारत, श्रेष्ठ भारत का सफना देख रहे हैं। उन्होंने विश्वगंगा के संयोजक वरुण सिंह, प्रभारी कवलांजीत सिंह, पूर्व विधायक उमा विद्यार्थी, मीडिया सेवेजक दानिश इकबाल, सह प्रभारी सूरज पांडेय, अमित प्रकाश बबल उपरिथंत रहे। भाजपा अध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संगीण भारत, विकसित भारत, श्रेष्ठ भारत का सफना देख रहे हैं। उन्होंने विश्वगंगा के संयोजक वरुण सिंह, प्रभारी कवलांजीत सिंह, पूर्व विधायक उमा विद्यार्थी, मीडिया सेवेजक दानिश इकबाल, सह प्रभारी सूरज पांडेय, अमित प्रकाश बबल उपरिथंत रहे। भाजपा अध्यक्ष श्री चौधरी ने कहा कि इस एल्बम में विकास को नरेंद्र मोदी के 10 सालों के कारों को गीत में पिंडीया गया है। उन्होंने कहा कि इसी पार में वह भी बताया गया है कि इस बार 400 पार करना बच्चों जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पिंडीयों 10 सालों से सरकार को 400 सालों का समर्थन मिलता रहा है, लेकिन इस बार जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के

रंजय बाबला जी है जबकि इसके निमांत वरुण कुमार सिंह है। उन्होंने बताया कि इस एल्बम में तीन गीत हैं। जिसके बोले मोदी जी के चर्चा चाहू और सखिया सबै पार्टी में छोड़ भाजपा वेजार सखियां, अब चाहू, तरफ विजली जरता रोड सुर्द भाइल गाड़ी चलता घरे घरे गैस, मिलल मन हरसाईल बाला नियान दिल खिलत रही कल के बाबन बदा दम की सुविधा मिलत रही तथा मोदी जी के हाता जय जयकार सैया जी एनीए के बनी सरकार सैया जी है।

बॉक्स सारण घटना की होगी

जांच का प्रमुखमंत्री

सारण के बिखियां टाइकू चोक पर दो गुटों के बीच हुई फारबांग में एक युवक की मौत की घटना पर तेज बदा वाला दिल खिलाफ की मौत की घटना पर सप्टार चौधरी ने बड़ा बवान दिया है। सारण चौधरी ने कहा कि इस मामले में हम लोगों ने गए इसी गीत के म्यूजिक डायरेक्टर

बाला हो, चाहे लालू यादव या राबड़ी देवी का बोंडीगांड धम रहा है, इसकी भी जांच होगी। कोई प्रत्याशी दो बार जाकर मामला को डिस्टर्ब करता है, वह दुर्भागी की बात है। आप बूढ़ा दिस्टर्ब करने वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही तथा मोदी जी के हाता जय जयकार सैया जी एनीए के बनी सरकार सैया जी है।

सूचे के स्वास्थ्य एवं कृपि मंत्री मंगल पांडे ने देश की जनता को छोड़े एवं सतावें चरण के मतदान से पूर्व आगाह किया है कि आप काम पर देश को दीमक की तरह खोखला बनाने वाली पार्टी कांग्रेस एवं उनकी सहयोगी इडी गठबंधन को बोट न दें। एक पांडे ने कहा कि आजादी के बाद से लागतार मरींगों के बारे पर तेज बदा वाला है। आप बूढ़ा दिस्टर्ब करने वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही तथा मोदी जी के हाता जय जयकार सैया जी एनीए के बनी सरकार सैया जी है।

इंडी गठबंधन में शामिल तमाम लोगों पर है भ्रष्टाचार का आरोप : मंगल

● बोर्ड-पीएम गोदी के 10 सालों के कारों का गीत में पिंडीया गया है।

पटना, प्रातः किरण संवाददाता



पांडे ने कहा कि 2012 में सेनेता गांधी और उनके दामाद गौरव वाङ्मय पर रियल एस्टेट कंपनी डीएसएफ से 65 करोड़ का ब्याजमुक्त मौन लोन लेने के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले दिल खिलाफ की बात रही है। आप बूढ़ा दिस्टर्ब करने वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही तथा मोदी जी के हाता जय जयकार सैया जी एनीए के बनी सरकार सैया जी है।

जी घोटाला, कोल आवंटन घोटाला, कॉमनवेल्थ, शेवा घोटाला समेत अन्यतर घोटालों का आरोप पर चारा घोटाला, लैंड फॉर जांब घोटाला समेत कई घोटालों का आरोप जगतरहि है। आम आदी पार्टी राष्ट्रीय प्रबलकारी घोटाला का आरोप लगा हुआ है। आप के सीएम पर अदालत में मामला चल रहा है। झारखंड के पूर्व सीएम व जापानी प्रेस एवं हमारे जी एनीए के बाजी में राजद राजीव गांधी के बोट न मैं हूँ। कांग्रेस ने देश की जांच की आजादी के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है। जनता अब उन्हें सत्ता नहीं सौंपते वाली है। मौजूदा गठबंधन की गांधी और श्री राहुल गांधी के बोट न मैं हूँ। टीएमसी पर जांच की आजादी के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

पांडे ने कहा कि आजादी के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अन्यगिन आरोप पर चारा घोटाला के बाद से लागतार मरींगों ने लोन वाले कौन बदा दम की सुविधा मिलत रही है।

जी घोटाला के अन्यतर घोटालों के अ

राजनीतिक हस्तक्षेप से ब्रह्म संस्थान

आम चुनाव, 2024 के 5वें चरण के मतदान के साथ ही 428 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो गया। गुजरात में एक निर्वाचन निर्विरोध हुआ था। शेष 114 सीटों के लिए दो चरण मतदान अभी होने हैं। उसके बाद इडी जनादेश का विशेषण किया जा सकता है। दरअसल इस बार चुनाव की बुनियादी चिंता यह रही कि शहरी मतदाता अपेक्षाकृत उदासीन रहा और उसके मतदान के प्रति दायित्व और मताधिकार के महवां को कमतर आंका, ताकि नतीजतन मतदान के शुरुआती आंकड़े निराश करते रहे। हालांकि अपेंडेट मतदान पहले चरण में 66.14 फीसदी, दूसरे में 66.71 फीसदी, तीसरे में 65.68 फीसदी और चौथे चरण में 69.16 फीसदी तय किया गया है। वेपक्ष ने इन बढ़े आंकड़ों पर भी सवाल उठाया कि चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है, लेकिन मतदान को अद्यतन करने में कुछ दिन लगे, इस पर कोई भी सर्वोच्च अदालत तक नहीं गया। चुनाव आयोग ने भी स्पष्टीकरण दिया कि इतने बढ़े देश के, कोने-कोने से, मतदान के आंकड़ों को जुटाने और सयोजित करने में अब भी कम है। चुनाव के 5वें चरण में भी, 20 मई तारिख 11.45 बजे तक, आठ राज्यों और संघसालित क्षेत्रों की 49 सीटों पर 60.3 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। यह 2019 के 5वें चरण के 62.5

कीसदी मतदान से कुछ कम रहा है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि शुक्रवार, 24 मई तक मतदान का अंतिम आंकड़ा दर्ज किया जा सकता है, लेहाजा मतदान के आंकड़ों में भी बढ़ती होना स्वाभाविक है। बहरहाल दो जगह पर मतदान बड़ा उत्साहवर्धक रहा है और दोनों ही क्षमताएँ हमेसे रखे हैं। लदाख आज संघशासित क्षेत्र है, जो जम्मू-कश्मीर राज्य की हिस्सा था, वहां करीब 70 फीसदी मतदान किया गया। दूसरा क्षेत्र बारमला है, जो नियंत्रण-रेखा के करीब है और आतंकियों की पुनाहगाह के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। इस संसदीय सीट में सोपेर भी सम्मिलित है, जो पश्चिमांचल के तोर पर कुछतर था। वहां हुर्रियत कॉम्फ्रेंस के नेताओं का भी खबर आया था, लिहाजा चुनावों के बहिष्कार होते रहते थे। इस बार सोपेर और बहलागम आदि इलाकों में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, तो जनता कि जनत का ज़हरियत यही है। बारगंगा सीट पर 1984 के बाद बहली बार 50 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है।

चरम पर चाटुकारिता

5

मुझने ताजा नहीं किया था। उसका विषय था कि अपनी बहन को गहरा लाता है। इस कला में पारंगत लोग किसी का महिमामंडन वाला उसकी चापलूसी कर उसे खुश करना चाहते हैं और इसके बदले कुछ दिलासिल कर अपना उल्लू सीधा करना चाहते हैं। और अपनी तारीफ सुनने वाला व्यक्ति अपनी इस झूठी तारीफ के बदले में प्रायः उसे उपकृत कर देता है। राजा महाराजाओं, नवाबों व बादशाहों के बज्रंगले से चला आ रहा यह सिलसिला आज भी जारी है। इसे दूधरे शब्दों में बताएं तो वे कह सकते हैं। अंग्रेजों ने भी हमारे हन्दुस्तानियों की इस दुखीती रग को बखूबी पहचान लिया था। और वे अपनी देश के लाखों प्रभावशाली लोगों को अपने पक्ष में करने के लिये उन्हें राय बहादुर, खान बहादुर जैसी अनेक उपाधियाँ दिया करते थे। इसके बदले में उनकी रियासतों के क्षेत्रफल में विस्तार हो जाता था। पटवी बढ़ाना जाती थी, माल-ओ-दौलत में जिजाफा हुआ करता था। आज स्वतंत्र व अधूरे वे लोग जिन्हें अपनी योग्यता व अपने कौशल पर विश्वास नहीं वे अपने आकाऊं को बुश करते थे। वह दौर जब तकातीन कांग्रेस अध्यक्ष देव कांत बस्ता ने प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रशंसा में कहा था कि -इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया उज इंदिरा यानी इंदिरा भारत हैं और भारत इंदिरा है। कांग्रेस के शासन में भी अनेक नेताओं की दुकानदारी खुशामद परस्ती व चाटकरिता के बिना पर ही चला करती थी। आज भी देखें वे को मिलता है कि कहाँ कहाँ प्रसानिया गांधी व ममता बनर्जी जैसे नेताओं के भक्त उन्हें देवियों के रूप में पैसा करते रहे हैं। परन्तु वर्तमान प्रधानमंत्री नंदें मोदी के दौर में तो

८

भगवान बुद्ध का जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बुद्धत्व या संबोधि) और महापरिनिर्वाण ये तीनों वैशाख पूर्णिमा के दिन ही हुए थे। राजाजपाट का मोह त्यागकर संसार को जरा, मरण, दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग एवं सत्य दिव्य ज्ञान की खोज में रात्रि में तपर्वी बनने के लिए 29 वर्ष की आयु में तन की ओर चले गए। इस घटना को महाभिष्क्रमण कहते हैं। बुद्ध सात साल तक भटकते रहे और 35 साल की उम्र में निरंजना नदी के तट पर एक पीपल के पेड़ के नीचे ध्यान करते हुए उरुवेल में वर्षों की कठोर साधना के पश्चात उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से भगवान बुद्ध बन गए। इस पीपल पेड़ को ह्याबोधि वृक्षलङ्घ के रूप में जाना जाने लगा और यह रथान बोधगया (बिहार में) बन गया। ह्याबुद्धलङ्घ शब्द का अथ अनुभव से दुःख को पहचाना एवं इससे मुक्ति हेतु सही मार्ग बताया। बुद्ध के बताये मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने दुःख से मुक्ति पा सकता है। बुद्ध का पंचशील, मनुष्य को सत्य बोलने, झूठ न बोलने, किसी स्त्री से व्यभिचार न करने, जीव हत्या न करने तथा मादक पदार्थों से दूर रहने की प्रतिज्ञा करता है। इन प्रतिज्ञाओं का पालन करते हुए व्यक्ति अपने आप को श्रेष्ठ बना सकता है और बुद्ध के बताये अशांगिक मार्ग पर चलकर मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है।

10

**लेखक :- निरंजन कुमार
अधिवक्ता, पटना उच्च न्यायालय**

भगवान को मोदी भक्त कहना भगवान का अपमान है। उधर मौके की जजाकत को भांपते हुये और आगामी 25 मई को पुरी के अपने चुनाव के नफे नुकसान के महेनजर संबित पात्रा ने भी मुआफी मांगने के लिये कोई शब्द भी बाकी नहीं छोड़े। पात्रा ने भगवान जगन्नाथ पर अपनी इस शर्मनाक व अतिविवादित टिप्पणी पर मुआफी मांगते हुये कहा कि वह अपनी जुबान फिसलने के लिए माफी मांगते हैं और वह भगवान से क्षमा प्रायश्चित्त करने के लिए अगले 3 दिनों तक उपवास रखेंगे। उन्होंने यहस्त पर इसी आशय का एक वीडियो शेयर कर भगवान जगन्नाथ को लेनेकर की गयी अपनी गलत टिप्पणी के लिए माफी मांगते हुये लिखा कै कै आज मैं भगवान जगन्नाथ के संबंध में की गई अपनी गलती से बहुत परेशान हूँ। मैं भगवान जगन्नाथ के चरणों में सिर झुकाकर माफी मांगता हूँ। अपनी गलती का प्रायश्चित्त करने और पश्चातपात करने के लिए अगले तीन दिनों तक उपवास रखूँगा। यहीं संबित पात्रा कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार के साथ एक टी वी डिवेट के दौरान मोदी को अपना बाप भी कह चुके हैं। यहीं बदजुबान पात्रा एक टी वी डिवेट में आवार्य प्रमोटर कृष्ण जो इनकाफ़ के से अब भाजपा में शारण ले चुके हैं उन्हें ठग और गाखण्डी संत बोल चुके हैं।

मोदी की शान में चरम चाटुकारिता करने वालों की सूची बहुत लम्बी है। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव व विश्व हिन्दू परिषद नेता चंपत राय भी प्रधानमंत्री को दिव्य शक्ति संपन्न बताया चुके हैं। । व्यंपत राय ने राम मंदिर सहित राष्ट्र मंदिर निर्माण का त्रेय मोदी को देते हुए कहा था कि वह अति मानवीय और दिव्य योग्यता उन्हें से सुकर है। व्यंपत राय ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भगवान विष्णु का अवतार बताया था। भाजपा का यह नारा बेवजह नहीं गढ़ा गया है कि जो राम को हाथोंधि वृक्षल के रूप में जा

(बिहार में) बन गया। हायुद्धल शब्द का अर्थ है ह्याप्रबुद्ध्ल। बौद्धकालीन शिक्षा वर्तमान में भी प्रासारिक है जो शिक्षा मानव कल्याण हेतु है। बुद्ध ने अपने व्यक्तिगत अनुभव से दुःख को पहचाना एवं इससे मुक्ति हेतु सही मार्ग बताया। बुद्ध के बताये मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने दुःखों से मुक्ति पा सकता है। बुद्ध का पंचशील, मनुष्य को सत्य बोलने, झूट न बोलने, किसी स्त्री से व्यभिचार करने, जीव हत्या न करने तथा मादक पदार्थों से दूर रहने की प्रतिज्ञा करता है। इन प्रतिज्ञाओं का पालन करते हुए व्यक्ति अपने आप को श्रेष्ठ बना सकता है और बुद्ध के बताये अद्वैतिक मार्ग पर चलकर मनुष्य मोक्ष की प्राप्ति कर सकता है। आजकल मनुष्य नैतिक मूल्यों से गिरता जा रहा है, वह बौद्धकालीन शिक्षा का अनुसरण करें, तो वह अपना, अपने परिवार का तथा समाज का कल्याण करते हुए एक नया दर्शन देंगे।

में नैतिकता और जीवन मूल्यों की कमी एक बड़ी चुनौती है। बुद्ध की ये शिक्षाएँ व्यक्ति और समाज को नैतिकता के उच्च मानकों पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं। बुद्ध ने जाति-पाँचि और वर्ग भेदभाव का विरोध किया था। उन्होंने समता और समानता की बात की वर्तमान समय में जाति, धर्म और वर्ग के भेदभाव की समस्या मौजूद है। बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर कई सामाजिक आंदोलनों ने समानता और समरसता की दिशा में काम किया है। भारतीय संविधान में समानता का अधिकार बुद्ध की शिक्षाओं से प्रभावित है। बुद्ध ने ज्ञान और शिक्षा पर बल दिया था और कहा था कि अज्ञानता ही सभी दुःखों का मूल कारण है। वर्तमान स्थिति में शिक्षा का महत्व सर्वोपरि है। शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को जागरूक और समाज को प्रगति के मार्ग पर अग्रसंकेत किया जा सकता है। बुद्ध की प्रति समाज और प्रेम की बात की गई है। उन्होंने हर जीवित प्राणी के प्रति करुणा और दया का सदेश दिया। अभी के समय में पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। बुद्ध की शिक्षाओं से प्रेरित हांकर कई संगठन और व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिए काम कर रहे हैं। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान जैसी गतिविधियाँ इन शिक्षाओं का प्रत्यक्ष परिणाम हैं। बुद्ध ने परोपकार और दूसरों की सेवा करने का महत्व बताया था। आधुनिक समाज में गैर-सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं का काम इसी सिद्धांत पर आधारित है। समाज में आपसी सहयोग और सहानुभूति का माहाल बनाने में बुद्ध की शिक्षाएँ प्रेरणा स्रोत हैं। बुद्ध की शिक्षाओं में आत्मनिरीक्षण और आत्मविकास पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा था कि व्यक्ति को अपने भीतर झाँकना चाहिए और अपने दोषों पर जागरूक होना चाहिए। इन विचारों के आधुनिक समाज में व्यक्तित्व विकास और आत्मविकास के लिए कई कार्यशालाएँ और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन कार्यक्रमों में बुद्ध की शिक्षाओं का समावेश करके व्यक्तियों को जीवन में संतुलन और शांति पाने के लिए प्रेरित किया जाता है। गौतम बुद्ध की शिक्षाएँ आधुनिक समाज में एक प्रकाश स्तंभ की तरह हैं, जो हमें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। उनके सिद्धांत न के बल व्यक्तिगत विकास और मानसिक शांति के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि सामाजिक समरसता, नैतिकता, और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बुद्ध की शिक्षाएँ हमें संतुलन, शांति और सुख की ओर ले जाती हैं। बुद्ध की शिक्षाओं का प्रभाव आधुनिक समाज के हर पहलू में देखा जा सकता है, और वह प्रभाव आगे बाले समय में बढ़ता है।

मतदान में युवाओं की

कर्मपाल

के रूप में दर्शाया गया था। यहाँ मोदी @20 नाम के प्रोग्राम में मंच के मोडियम पर नरेंद्र मोदी के विष्णु अवतार रूप की चित्रकारी की गई थी जिसमें मोदी के 12 हाथ बनाए गए थे। गोवा शिक्षण संस्थानों में भी इस तरह की अंधधक्कि फैलाने की कोशिश की गयी? हालांकि मोदी को भगवान विष्णु का अवतार बताये जाने पर शिव सेना नेता संजय राउत का कहना है कि-अंधधक्कि, मोदी को विष्णु का 13वां अवतार मानते हैं। अगर ऐसा है तो मोदी ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर पर लोकसभा का चुनाव करा कर देख लें, 33 करोड़ देवी-देवता भी उन्हें हार से बचा नहीं सकेंगे। परन्तु इन चुनावों को स्वीकार करने से इतर जयकरे और जिंदाबाद के गणचुबी नारे लगाने वाले हमारे देश में नेताओं की उम्मीद बढ़ जाएगी। आपका धन्यवाद है।

संख्या 4209000 है। राज्य की कुल जनसंख्या में 18-19 साल के युवाओं की संख्या 4.5 प्रतिशत है, लैकिन इस आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या राज्य की आबादी का महज 0.6 प्रतिशत है। राज्य भर के विश्वविद्यालयों और कालेजों में नियमित रूप से मतदाता पंजीकरण अभियान चलाए जाने के बावजूद, 18-19 आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में मापूली सुधार नहीं है। उदासीन 2022 में ऐसे

0.3 प्रतिशत थी, वहीं अप्रैल 2021 के लिए यह आँकड़ा 0.6 प्रतिशत था चूंकि मतदाता पंजीकरण एक जीवंत समावेशी और मजबूत सहभागिता वाल लोकात्मिक व्यवस्था की पहली सीढ़ी है, ऐसे में मतदान के प्रति युवाओं व उदासीनता के कारणों को दूर करना जरूरी है। इन आंकड़ों से देख भर शहरी मतदाताओं की उदासीनता बढ़ा चलता है, जहां राष्ट्र और राज्य सरकार द्वे व्यापारी दशा में साझा

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश के कई शहरी युवा अपने मताधिकार के प्रयोग से दूर रहे हैं, और इस बात को लेकर राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में भी चिंता जताई गई है। नीति में राजनीती में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देने के अलावा यह भी कहा गया है कि राजनीति और प्रशासन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए बहुकाम कम समर्पित किए जाएँ। शायद यही प्रारंभिक रूप से यह देखा जाता है। भारतीय राजनीति में अपनी धाक जमाने वाले ज्यादातर युवा नेता बड़े राजनीतिक परिवारों से ताल्लुक रखते हैं, जो सामाजिक-राजनीतिक रूप से बहद प्रभावशाली हैं। हालांकि मुख्यधारा की लगभग हर राजनीतिक पार्टी का अपना एक स्टेंडेंट विंग है और ये सभी पार्टियां काले जौं और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ के चुनावों में जोर शोर से भाग लेती हैं, लेकिन ये एक दूरी दृष्टि से विवरण नहीं हैं। अपने घोषणापत्रों में युवाओं के लिए एक विश्वविद्यालय संघ ऐसी नहीं है

संक्षिप्त खबरें

पुण्यतिथि पर कौशल सिलाई केंद्र को भेटकर दी सिलाई मरीन

नवगछिया (भागलपुर)। लायनस कलब बचान्छिया टाउन के द्वारा कौशल सिलाई केंद्र को एक सिलाई मरीन भेट के रूप में दिया गया है। कार्यक्रम स्वपीय कौशल बाबू के पुण्यतिथि पर आयोजित एक कार्यक्रम में कलब अध्यक्ष का जोन बैठक पर्सनल लाइ पब्लिक कुमार सरफ, कलब अध्यक्ष का लाइ कमलेश कुमार अध्यावल, कलब उपाध्यक्ष का लिनोद केजरीवाल, कलब कोषाध्यक्ष का लिनोद अग्रवाल चिराजीना के द्वारा कौशल बाबू के पुण्यतिथि पर कुमार अध्यावल उपर्युक्त करने का भी निर्देश दिया है।

अपहरण कर हत्या करने वाले को आजीवन कारावास व आर्थिक जुर्माना पटना सिटी व्यवहार न्यायालय के एडीजे-1 ने सुनायी सजा, 2015 की घटना

पटना सिटी, प्रातःकिरण संवाददाता

मालसलामी थाना क्षेत्र से युवक को अगवा कर 50 लाख की फिरोती मांगने एवं हत्या करने के अपराध में पटना सिटी व्यवहार न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश-1 विद्या प्रसाद ने आरोपी को आजीवन कारावास और जुर्माना की सजा सुनाई है। कोटे ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार को मृतक के पिता को पांच लाख रुपया भुगतान करने का भी निर्देश दिया है।

अपर लोक अभियोजक सरदार गुरमीत सिंह ने बताया कि आरोपी राहुल कुमार उर्फ गौलू, जिसको उम्र कीरब 25 वर्ष है और वह मालसलामी थाना क्षेत्र के चुटकिया बाजार का रहने वाला है। उसके लिए एडीजे-1 कोटे ने आजीवन कारावास एवं 20 हारा का आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। आर्थिक जुर्माना नहीं दिए जाने पर 6 माह का अतिरिक्त साधारण कारावास याहा है।



की सजा उसे पूरी करनी होगी। एडीजे ने कहा कि मृतक राहुल पांडेय के पिता मुरली मोहर पांडेय ने जवान बेटे को दी दिया है।

उन्हें खासा मानसिक यातना झेलनी पड़ी है।

इस कांड को लेकर मृतक के पिता चुटकिया बाजार के रहने वाले मुरली मोहर पांडेय ने

भी नहीं कर रहा था। उसका बाद में मोबाइल फिरोती देने पर ही उसे छोड़ दिया। यदि रुपया नहीं दिया गया, तो उसे जान से बाल डालें। बाद में फिर काँल कर कहा कि रुपए का इंतजाम करने के लिए 12 रुपए की रुपया तुड़े दे रहा है। इसके बाद पिता के बयान पर अजात अपाधिकारी के खिलाफ मालसलामी थाना में मामला दर्ज किया गया था। इसमें उन्होंने कहा था कि 9 फरवरी, 2015 की रात उन्हें 19 साल के बेटे राहुल पांडेय बिना कुछ करे रात आठ बजे घर से निकला था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा। जब उसके मोबाइल पर अपने वाले को लेकर कहा कि रुपए देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आपको इसके लिए एक बाल डालें।

मालसलामी थाना में कांड 37/2015 दर्ज कराया गया।

मालसलामी थाना में मामला दर्ज किया गया।

मालसलामी थ

